Jhuggis near Minto Bridge, New Delhi were gutted by fire which broke out on the 31st May, 1967.

(b) The fire was promptly brought under control by the Delhi Fire Service. An *ad hoc* grant of Rs. 40 per jhuggi has been sanctioned by the New Delhi Municipal Committee.

आगरा में गड़े हुए खजाने का समाचार

2475. श्री बलराज मधोक :
श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री बेणी शंकर शर्मा :
श्री य० ब० शर्मा :
श्री टी० पी० शाह:
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री शिव कुमार शास्त्री :
श्री अर्जुन सिंह भदोरिया :
श्री रामावतार शर्मा :
श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :
डा० सूर्य प्रकाश पुरी :
श्री राम गोपाल शालवाले :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आगरा में अनीवार्दी खा के 'हमाम' के नीचे विशाल खजाना गड़ा हुआ है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार उस हमाम को खुदवाने का विचार कर रही है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भागवत झा आजाद) : (क) सरकार के पास कोई सूचना नहीं है ।

(ख) और (ग). प्रश्न नहीं उठता ।

आसाम का पुनर्गठन

2476. श्री बलराज मधोक :
श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री बेणी शंकर शर्मा :
श्री य० ब० शर्मा :
श्री टी० पी० शाह :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या संविधान की छठी अनुसूची को हटाने के सम्बन्ध में सरकार को एक ज्ञापन मिला है ;

(ख) क्या यह सच है कि उसमें पूर्वी खण्ड के पुनर्गठन के बारे में विशेष कर सुरक्षा भौगोलिक तथा ऐतिहासिक पहलुओं के सम्बन्ध में सिफारिशें करने के लिए एक उच्च स्तरीय आयोग बनाने का सुझाव दिया गया है; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई है ?

गृह-कार्य मंत्री (श्री यशवन्त राव चव्हाण) : (क) और (ख). इन सुझावों के सम्बन्ध में भारतीय जन संघ की असम शाखा गुहाटी से 20 मई 1967 को मुझे एक ज्ञापन मिला था ।

(ग) गौहाटी में असम के पुनर्गठन के अपने सुझावों से सम्बन्धित अन्य विभिन्न राजनैतिक दलों और संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी मुझे ज्ञापन दिये थे । उनके साथ हुई चर्चा के समय उनमें से अनेकों ने यह चाहा था कि इससे सम्बन्धित विभिन्न विचारों के क्षेत्रीय और दलों के प्रतिनिधियो के साथ संयुक्त वार्ता से किसी सर्व सम्मत निर्णय पर पहुंचने का प्रयास किया जाना चाहिए । तत्पश्चात् मैंने असम के संसद सदस्यों से भी इस सन्दर्भ में चर्चा की थी और उन्होंने भी संयुक्त वार्ता के विचार से अपनी सहमति प्रकट की है । तदनुसार अगले महीने के प्रारम्भ में दिल्ली अथवा असम के किसी स्थान पर इस तरह की संयुक्त वार्ता किये जाने का प्रस्ताव है ।